



केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)



सार्वजनिक चेतावनी

02.01.2024

बोर्ड के संज्ञान में आया है कि कुछ संगठन यह प्रसारित कर रहे हैं कि बोर्ड ने SQAAF के कार्यान्वयन के लिए उनके साथ सहयोग और साझेदारी की है। यह स्पष्ट किया जाता है कि बोर्ड ने SQAAF के कार्यान्वयन के लिए किसी भी संगठन के साथ साझेदारी नहीं की है।

SQAAF के लिए आयोजित सभी वेबिनार बोर्ड की शैक्षणिक इकाई के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध हैं। SQAAF से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइट लिंक पर जाएँ -

- <https://cbseacademic.nic.in/>
- <https://saras.cbse.gov.in/sqaa>
- <https://www.youtube.com/@cbseacademicunit>

बोर्ड झूठी खबरें और अफवाहें फैलाने वालों या अपने निहित स्वार्थों के लिए CBSE/SQAAF Logo का इस्तेमाल करने वालों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सतर्क और सक्रिय है।

सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करने और किसी भी संभावित नुकसान या गलत संचार को रोकने के लिए जानकारी को सार्वजनिक नोटिस में लाया जा रहा है।

टीम सीबीएसई



केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(An Autonomous Organisation Under the Ministry of Education, Govt. of India)



Public Alert

02.01.2024

It has come to the notice of the Board that some information has been circulating stating that the CBSE has partnered with some organisations for the implementation of SQAAF. CBSE would like to categorically state that it has no connection whatsoever with any organisation for implementation of the SQAAF.

All the webinars conducted for SQAAF are available on the YouTube channel of the Academic Unit of the Board. For any information related to SQAAF please visit the following websites -

- <https://cbseacademic.nic.in/>
- <https://saras.cbse.gov.in/sqaa>
- <https://www.youtube.com/@cbseacademicunit>

The Board is vigilant and active in identifying and taking action against those spreading fake news and rumours or using CBSE/SQAAF logos for their vested interests.

The information is being brought to the public notice to safeguard the interest of all stakeholders and to prevent any potential loss or false communication.

Team CBSE